हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 107 हल्द्वानी (नैनीताल) शुक्रवार 27 फरवरी 2026 मूल्य रू 2 पृष्ठ : 8

रामनगर के प्रभागीय वनाधिकारी को तत्काल प्रभाव से व्यापक कार्रवाई के निर्देश

हल्द्वानी (संवाददाता)। नैनीताल जनपद के पीपल पोखरा और पनियाली क्षेत्र में आदमखोर वन्यजीव के हमलों में दो महिलाओं की दर्दनाक मौत के बाद क्षेत्र में दहशत और जनाक्रोश का माहौल है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी नैनीताल ने त्वरित और सख्त कदम उठाते हुए रामनगर के प्रभागीय वनाधिकारी को तत्काल प्रभाव से व्यापक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि आदमखोर वन्यजीव की निरंतर ट्रैकिंग सुनिश्चित की जाए। इसके लिए ट्रैप कैमरा, ड्रोन और थर्मल इमेजिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए विशेषज्ञों की मौजूदगी में ट्रेंकुलाइज या कैप्चर अभियान चलाया जाए। आवश्यकता पड़ने पर शूटर की तैनाती के लिए उच्च स्तर से अनुमति लेने के भी निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वन क्षेत्रों से सटे गांवों में दिन-रात गश्त, क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम) की तैनाती, महिलाओं और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए एस्कॉर्ट व्यवस्था अनिवार्य की गई है। साथ ही मुनादी के माध्यम से अलर्ट जारी करने, रात में अनावश्यक आवाजाही पर रोक लगाने तथा भीड़ नियंत्रण के लिए राजस्व और पुलिस विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है।जिलाधिकारी ने पहली घटना के बाद की गई कार्रवाई की विस्तृत आख्या तलब की है और स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके अतिरिक्त राजस्व, पुलिस और वन विभाग का संयुक्त कंट्रोल रूम स्थापित कर प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।मृतकों के परिजनों को तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने दीर्घकालिक समाधान के तहत सोलर फेंसिंग, चेतावनी तंत्र और स्थायी सुरक्षा उपायों की कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया है।

रामनगर महाविद्यालय में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम

रामनगर (संवाददाता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई रामनगर द्वारा रामनगर महाविद्यालय में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में भाजपा नेता इंदर सिंह रावत ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।उन्होंने बताया कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन का आध्यात्मिक संदेश है।जब शीत ऋतु समाप्त होकर वसंत आता है, तो प्रकृति की तरह हमें भी मन के द्वेष,अहंकार और नकारात्मकता को त्याग कर प्रेम, ऊर्जा और नवचेतना को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रंगों की यह परंपरा हमें सिखाती है कि विविधता में ही सुंदरता है, और आपसी प्रेम ही समाज की सच्ची शक्ति है। यह होली मिलन कार्यक्रम अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रामनगर ने छात्र संघ उपाध्यक्ष मनोज पांडे के नेतृत्व में किया।इस दौरान पूर्व दर्जा राज्यमंत्री दिनेश मेहरा,पूर्व महासंघ अध्यक्ष रोहित मेहरा, पीयूष जोशी,पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष यतिन रौतेला, एबीवीपी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नितेश शर्मा, हीरा भंडारी, कॉलेज अध्यक्ष एबीवीपी नीरज कंडारी, कंचन पांडे, विशाखा चौहान,सूरज पांडे, ऋषभ अग्रवाल, ध्रुव, रोहित, रावत, मानसी आदि मौजूद रहे।

अपर सचिव ब्रजमोहन रावत की अपर निदेशक विद्यालय शिक्षा बनने पर विदाई दी

रामनगर (संवाददाता)। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर में आज अपर सचिव बृजमोहन सिंह रावत की पदोन्नति अपर निदेशक विद्यालय शिक्षा उत्तराखंड के पद पर होने के फल स्वरुप विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई के अवसर पर उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद रामनगर के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने उनके परिषद में 12 वर्ष के कार्यकाल की सराहना की तथा विभाग में उनके योगदान को अतुल्य बताया। श्री सिमल्टी ने कहा कि श्री रावत ने सदैव अपने आदर्श कार्य, व्यवहार, आचरण से विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। श्री रावत ने शिक्षा विभाग में अपनी 35 वर्षों के कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया तथा बदलते परिदृश्य शिक्षा के क्षेत्र में आने वाले चुनौतियों के लिए तैयार रहने का वहां सभी अधिकारियों कार्मिकों से किया। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों शिक्षकों कार्मिको को उनके द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। परिषद के संयुक्त सचिव सीपी रतूड़ी ने श्री रावत के साथ अपने कार्यकाल के विभिन्न प्रेरणादायी अनुभवो को साझा किया। परिषद की उप सचिव सुषमा गौरव ने कहा कि श्री रावत अपने अधीनस्थ अधिकारियों कार्मिकों के लिए मेन्टर के रूप में कार्य करते थे। हर अधीनस्थ के प्रति उनका व्यवहार बहुत ही सौहार्दपूर्ण था। समारोह को रामनगर के खंड शिक्षा अधिकारी हवलदार प्रसाद, परिषद के शोध अधिकारी शैलेन्द्र जोशी ,डॉ नंदन सिंह बिष्ट, मनोज पाठक, सुजीत रावत, प्रकाश भट्ट आदि में संबोधित किया।

केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस के खिलाफ धरना प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस के खिलाफ धरना प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया।यह विरोध प्रदर्शन भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु और अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लखनपुर मुख्य चौराहे पर पुतला दहन करते हुए ग्रिगरफ्तारी का विरोध किया।आंदोलन का नेतृत्व कर रहे युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने के लिए तानाशाही रवैया अपना कर दिल्ली पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह ध्लोकतंत्र पर हमला है। कहा कि उदय भानु और अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बिना किसी ठोस आधार के जेल भेजना लोकतंत्र की हत्या है।ध युवा कांग्रेस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष को जल्द से जल्द रिहा नहीं किया गया, तो यह आंदोलन देशव्यापी रूप लेगा।भाजपा सरकार,युवाओं और विपक्ष के संघर्ष से डर गई है और कांग्रेस की आवाज को दबाना चाहती है।जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। युवा कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक इस अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे।ध्इस अवसर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी,विकाश कुमार आर्य, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अमित कुमार,पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अमित पाल सिंह रावत, सभासद सचिन कुमार आर्य, सोनू तिवारी,नितिन शाह मालधन, दीपक रावत,दीपक राणा,मोहम्मद अनस,शिवन बिष्ट आदि मौजूद रहें।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

पाणिनि से एआई स्टैक तक: दिल्ली का एआई गौरव और राष्ट्रीय क्षमता का लक्ष्य

जब पाणिनि ने बोली जाने वाली भाषा की अव्यवस्था को एक संक्षिप्त, गणनीय व्याकरण में परिवर्तित किया, तो उन्होंने एक बात साबित की, जो आज भी प्रासंगिक है: बुद्धिमत्ता सबसे शक्तिशाली तब होती है, जब इसे संरचना के रूप में व्यक्त किया जाता है। नालंदा इस सहज प्रवृत्ति को संस्थानों तक ले गया और बहस करने, संरक्षित करने और ज्ञान को सीमाओं के पार प्रसार करने के तरीके विकसित किए। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी करने का भारत का निर्णय उसी सभ्यतागत भावना से प्रेरित है, क्योंकि तकनीक में अगली छलांग उन प्रणालियों के बारे में है, जो सीख सकती हैं, तर्क कर सकती हैं और बड़े पैमाने पर कार्य कर सकती हैं और दुनिया ऐसे भविष्य के बारे में सोच नहीं सकती, जिसमें केवल कुछ देश यह तय करें कि ये प्रणालियाँ कैसे बनाई जाएँगी।पिछले सप्ताह भारत मण्डपम में आयोजित यह शिखर सम्मेलन, एक वैश्विक दक्षिण राष्ट्र द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन था और किसी भी पूर्व आयोजन में इस स्तर की भागीदारी नहीं देखी गयी: 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री, 100 से अधिक देशों के 500 से अधिक एआई दिग्गज और विषय-आधारित दस पवेलियनों में 300 प्रदर्शक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अपनी स्वयं की एक संगठनात्मक सोच प्रस्तुत कर रहा है: डेटा पर संप्रभुता, डिजाइन के अनुसार समावेश और स्वाभाविक जवाबदेही। देश वैश्विक पूंजी को इन शर्तों पर यहाँ निवेश करने के लिए आमंत्रित कर रहा है।प्रधानमंत्री के एम.ए.एन.ए.वी विजन में इस विचार की स्पष्ट अभिव्यक्ति हुई है: नैतिक पाबंदी, जवाबदेह शासन, डेटा पर संप्रभुता, ताकि ज्ञान के कच्चा माल का उस रूप में निष्कर्षण न किया जाए जैसे कभी वस्तुओं का किया जाता था; व्यापक पहुंच, ताकि लाभ मध्य प्रदेश के किसान तक उतने ही निश्चित रूप से पहुंचे, जितना बेंगलुरु के इंजीनियर तक और कानूनी वैधता, ताकि हर प्रयुक्त प्रणाली लोकतांत्रिक निरीक्षण के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उनकी अवधारणा एआई को खुला आकाश देने की है, जबकि नियंत्रण मानव हाथों में रखा जाना चाहिए। यह अवधारणा एक ऐसी रेखा खींचती है, जिसे कई उन्नत अर्थव्यवस्थाएं खींचने में हिचकिचा रही हैं।अब इन सिद्धांतों का बहुपक्षीय महत्व है, जो शिखर सम्मेलन में अपनाई गई दिल्ली घोषणा के माध्यम से सामने आया, और इसे पहले से ही वैश्विक दक्षिण से आने वाली पहली प्रमुख एआई शासन रूपरेखा कहा जा रहा है। इस घोषणा की दृष्टि विकास-उन्मुख है, जिसका केंद्र तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण है और जो कठोर अनुपालन की तुलना में लचीली पाबंदियों को प्राथमिकता देता है। यह वैश्विक सहयोग को तीन स्तंभों पर व्यवस्थित करता है: लोग, पृथ्वी और प्रगति। भारतजेन जैसा जनसंख्या के पैमाने पर आधारित समाधान, जो 22 भारतीय भाषाओं का समर्थन करता है और उस वास्तविकता को संबोधित करता है कि दुनिया का अधिकांश भाग अंग्रेजी में काम नहीं करता। भारत के अपने सब्सिडी वाले जीपीयू एक्सेस (?65 प्रति घंटा) पर आधारित एक प्रस्तावित वैश्विक कंप्यूट बैंक प्रवेश बाधाओं को हर जगह कम करता है। घोषणा में डेटा संप्रभुता पर जोर दिया गया है, जो सीधे एआई निष्कर्षणवाद को चुनौती देता है: एक पैटर्न, जिसमें विकासशील देशों से डेटा संग्रहित किया जाता है ताकि मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सके। बाद में इन देशों को इसी मॉडल के लिए भुगतान करना पड़ता है।पिछले दशक के कार्यान्वयन ने इस रूपरेखा को विश्वसनीयता दी है, क्योंकि यह सरकार एआई तक किसी श्वेत पत्र के माध्यम से नहीं, बल्कि किसी भी लोकतांत्रिक देश द्वारा शुरू किये गये सबसे महत्वाकांक्षी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना कार्यक्रम के जरिये पहुँची है। यूपीआई ने 2025 में 228 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित किए, जिनका मूल्य लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर था, जो दुनिया के वास्तविक समय पर कुल डिजिटल भुगतान का लगभग आधा है और यह वैश्विक स्तर पर वीसा द्वारा संसाधित किये गये कुल लेन-देन से भी अधिक है। जेएएम त्रय ने 2015 से अब तक ?3.48 लाख करोड़ से अधिक की कल्याण बचत प्रदान की है। किसी अन्य देश ने एक ही नीतिगत व्यवस्था के तहत पहचान, भुगतान और पात्रता-अधिकार के वितरण का निर्माण इस स्तर पर नहीं किया है और यही वह आधारशिला है, जिस पर भारत का एआई खड़ा है।यदि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को देश से जोड़ना था, तो एआई अवसंरचना का लक्ष्य हर नागरिक को क्षमता से जोड़ना है और यहाँ आंकड़े एक चौंकाने वाला अंतर दिखाते हैं: भारत दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत डेटा का उत्पादन करता है, लेकिन यहाँ वैश्विक डेटा-केंद्र क्षमता का केवल लगभग 3 प्रतिशत मौजूद है। अब इस अंतर को उसी इरादे के साथ पाटा जा रहा है, जिसने यूपीआई का निर्माण किया था: तेज, बड़े पैमाने पर और संप्रभु डिजाइन के साथ।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा

अजीत द्विवेदी

चौतरफा अविश्वास बढ़ रहा है। नियम आधारित पुरानी विश्व व्यवस्था बिखर गई है। दुनिया के किसी भी देश को दूसरे देश पर या देशों के किसी भी समूह को दूसरे समूह पर भरोसा नहीं रह गया है। जब अमेरिका और यूरोप के बीच अविश्वास बढ़ गया तो बाकी देशों के बारे में क्या कहा जाए! इसी तरह वैश्विक अर्थव्यवस्था में अविश्वास बढ़ रहा है। दुनिया की अर्थव्यवस्था आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश और उसके बाजार में आए उछाल से चलती दिख रही है। इसने सॉफ्टवेयर और आईटी आधारित सेवाओं के उद्योग को लगभग ध्वस्त कर दिया है।जब से एआई कंपनी एंथ्रोपिक की ओर से कहा गया कि उसके ऑटोमेटेड ऑफिस सूट से सॉफ्टवेयर और दूसरे ऑपरेटिंग सिस्टम्स की जरुरत ही खत्म हो जाएगी तब से आईटी कंपनियों की हालत खराब है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने भी कहा है कि अगले डेढ़ से दो साल में सारे व्हाइट कॉलर जॉब्स एआई के जरिए ऑटोमेटेड हो जाएंगे। हालांकि इसके बावजूद चिप बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी और दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया के निवेशक अपने पैसे निकाल रहे हैं। सॉफ्टबैंक से लेकर पीटर थील तक ने पैसे निकाले हैं तो यह भी खबर है कि कंपनी के सीईओ से लेकर दूसरे अहम लोग भी अपने शेयर बेच रहे हैं। यह अविश्वास पूरी अर्थव्यवस्था को अपने चपेट में ले सकता है।वैश्विक भू राजनीतिक और आर्थिक अविश्वास के माहौल में सबसे चिंता की स्थिति भारत में दिख रही है, जहां राजनीतिक और सामाजिक विभाजन दिन प्रतिदिन गहरा होता जा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ कहने की जरुरत नहीं है। यह उपभोग आधारित है तो डेढ़ सौ करोड़ लोगों की अर्थव्यवस्था चलती ही रहेगी और जिस रफ्तार से बढ़ रही है उस रफ्तार से बढ़ती रहेगी। लेकिन सामाजिक और राजनीतिक विभाजन, अविश्वास देश के सामने बड़ा खतरा बन कर आया है।देश की राजनीति में कभी भी ऐसी स्थिति नहीं रही थी कि सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियों के बीच एक दूसरे के प्रति नफरत का भाव हो। अब पार्टियों के बीच निजी दुश्मनी हो गई है। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में पार्टियों के नेता एक दूसरे से दुआ सलाम करने से घबरा रहे हैं कि कहीं उनके शीर्ष नेता ने देख लिया या पता चल गया तो उसके नंबर कट जाएंगे।अगर पहले सामाजिक विभाजन की बात करें तो इतने गहरे विभाजन की शुरुआत 80 बनाम 20 की राजनीति से हुई थी और यूजीसी के नियमों से अंतिम मुकाम तक पहुंची है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भले श्सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास्र की बात कही लेकिन उनकी पार्टी की नीतियों और नेताओं के बयानों से यह संदेश गया कि भाजपा को 20 फीसदी अल्पसंख्यकों, जिनमें मुस्लिम, सिख और ईसाई तीनों शामिल हैं उनके वोट नहीं चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो खुल कर 80 और 20 की बात कही। उन्होंने बंटोंगे तो कटोगे का नारा दिया। प्रधानमंत्री ने भले ऐसा कोई नारा नहीं दिया लेकिन जब भाजपा ने लोकसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया और एक भी मुस्लिम को मंत्री नहीं बनाया गया तो बिना कहे यह सिद्धांत स्थापित हुआ।मुसलमानों को अलग थलग करने की जो राजनीति शुरू हुई थी उसमें राज्यवार दूसरी चीजें जुड़ती गईं। बिहार और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम के साथ साथ यादव को अलग थलग किया गया। हरियाणा में जाट को, महाराष्ट्र में मराठों को, झारखंड में आदिवासियों को अलग थलग किया गया। कहीं गैर यादव पिछड़ी व अन्य जातियों का समीकरण बनाया गया तो कहीं गैर मराठा तो कहीं गैर आदिवासी का समीकरण बनाया गया। अब इस विभाजनकारी राजनीति का अगला मुकाम सामान्य जातियों को अलग थलग करने का है। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के लिए यूजीसी की ओर से जो नियम लाए गए हैं, जिनको भेदभावकारी बता कर सुप्रीम कोर्ट ने रोक दिया है, वो इसी प्रयोग का हिस्सा हैं।भारतीय जनता पार्टी के नेता और उसकी सरकार के मंत्री अब खुल कर कह रहे हैं कि वे देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए काम कर रहे हैं। सरकार की पूरी स्कीम ऑफ थिंग्स में से सामान्य जातियों को बाहर कर दिया गया है। इससे सामाजिक स्तर पर इतना अविश्वास बढ़ा है कि जाति पूछ कर यूनिवर्सिटी कैम्पस में छात्रों पर हमले हो रहे हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैम्पस में एक ब्राह्मण पत्रकार की जाति पूछ कर उसके ऊपर हमला किया गया। विपक्ष खास कर राहुल गांधी की बहुजन राजनीति से घबरा कर भाजपा ने यह प्रयोग किया। उसको लग रहा है कि सामान्य जातियां उसको बाई डिफॉल्ट वोट देंगी। लेकिन अब यह वोट का मामला नहीं रह गया है।जहां तक गहरे राजनीतिक विभाजन की बात है तो इसकी शुरुआत श्कांग्रेस मुक्त भारत्र के नारे से हुई थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने यह नारा दिया था। उसके बाद से भाजपा, उसकी सरकार, उसका पूरा इकोसिस्टम और मीडिया व सोशल मीडिया का पूरा तंत्र इस काम में लग गया कि किस तरह से कांग्रेस शासन की पूरी विरासत को मिटाया जाए, कैसे उसके नेताओं की साख खराब की जाए, कैसे उसे कमजोर किया जाए और कैसे उसे चुनाव हराया जाए।इसके बाद भाजपा ने यह प्रचार शुरू किया कि सिर्फ वही एक अच्छी पार्टी है बाकी पार्टियां भ्रष्ट, परिवारवादी और राष्ट्रविरोधी हैं। चुनाव के समय पहले भी पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ आरोप लगाती थीं। लेकिन भाजपा ने इसे रोजमर्रा का काम बना दिया। 24 घंटे और 365 दिन भाजपा की मशीनरी इस काम में लग गई। पहले तो पार्टियां, नेता और आम लोग भी इसे आश्चर्य की नजर से देखते रहे लेकिन फिर यह मुख्यधारा का राजनीतिक काम बन गया कि एक दूसरे के खिलाफ निरंतर दुष्प्रचार चले।अब विपक्षी पार्टियों की सरकारों के नीतिगत फैसलों और नेताओं के निजी चरित्र को लेकर लगातार आलोचना चलती रहती है। लगातार 12 साल प्रधानमंत्री रहने के बाद भी नरेंद्र मोदी कांग्रेस की पहले की सरकारों और नेताओं की कमियां बता कर वोट मांगते हैं। संसद में खड़े होकर भाजपा के सांसद कांग्रेस के पुराने नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों को श्गद्दार्र और श्अय्याश्र बोलते हैं। विपक्ष के मौजूदा नेतृत्व को श्पप्पूर्, श्टुकडे टुकड़े गैंग्र, श्देश विरोधीर्, श्सनातन विरोधीर्, श्टोंटी चोर्र, श्चारा चोर्र आदि कहा जाता है। जवाब में दूसरी तरफ से भी सत्तापक्ष के नेताओं के लिए इसी तरह के विशेषणों का प्रयोग होने लगा है।श्तड़ीपार्र और श्चौकीदार चोर हैर से शुरू हुआ प्रचार श्कॉरपोरेट के नौकर्र, श्देश बेचने वाले्र और श्ट्रंप के गुलाम्र तक पहुंच गया है। ऐसा नहीं है कि नेता इसे राजनीतिक बयानबाजी भर मान रहे हैं। वे इसे सच मानते हैं और उनके निजी संबंध भी इसी से निर्धारित हो रहे हैं। चूंकि सभी पार्टियों के नेता खास कर भाजपा में ज्यादातर नेता बिना राजनीतिक आधार वाले हैं इसलिए वे अपने पार्टी नेतृत्व की ओर से कही गई बात को ब्राह्म वाक्य मान कर दोहराते रहते हैं। सभी नेताओं का एकमात्र काम अपने नेतृत्व को खुश करना हो गया है। इसके लिए वे विरोधी नेताओं के बारे में अनाप शनाप बोलते रहते हैं। उनके बीच इस बात का कंपीटिशन है कि विरोधी नेता के लिए कौन ज्यादा अपमानजनक बात कह सकता है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

'मुख्यमंत्री ने घनसाली में किया 41.21 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास'

- 'पिलखी पीएचसी का सीएचसी में किया गया उच्चीकरण, घनसाली को मिली विकास योजनाओं की सौगात'

नई टिहरी(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को जनपद टिहरी के घनसाली में 41.21 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, जिसमें 13.43 करोड़ रूपए की 03 योजनाओं का लोकार्पण एवं 27.78 करोड़ रूपए की 05 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पिलखी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में उच्चीकरण किये जाने का भी शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अस्पताल हेतु भूमि दान करने वाले कृष्णा गैरोला एवं उनके परिवार को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन योजनाओं का शिलान्यास हो चुका है उनका कार्य रुकना नहीं चाहिए और उनका शीघ्र लोकार्पण भी सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश सरकार पहाड़ों में सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि इच्छाशक्ति हो तो संसाधनों की कमी भी दूर की जा सकती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक के नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है तथा डीबीटी के माध्यम से योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंच रहा है। नंदा गौरा योजना के तहत बेटियों को 51 हजार

रुपये की सहायता दी जा रही है। प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है और शीघ्र की घनसाली क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं व्यवस्थित की जाएंगी।मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय इंद्रमणी बडोनी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए क्षेत्र की प्रमुख मांगों पर प्राथमिकता से कार्य किये जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक हजारों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है और अवैध अतिक्रमण हटाकर सरकारी भूमि कब्जा मुक्त कराई गई है। मुख्यमंत्री ने पिलखी बेलेश्वर क्षेत्र में उप-चिकित्सालय स्थापित करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सभी को होली की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि उन्हें सौंपें गये ज्ञापन में शामिल योजनाओं को भी मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल किया जाएगा।इस अवसर पर विधायक घनसाली शक्तिलाल शाह ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए घनसाली को 30 बेड अस्पताल, तीनगढ़ में पुनर्वास, बालगंगा पुल हेतु ध नराशि स्वीकृति, विद्यालय भवन निर्माण एवं बिजलीघर शिलान्यास जैसे कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्षेत्र की 37 सूत्रीय मांगें भी रखीं, जिनमें अखोडी का उच्चीकरण, थाती भटवाड़ा में बाढ़ सुरक्षा कार्य, धमातोली हाईस्कूल का इंटर कॉलेज में उच्चीकरण, ब्लॉक मुख्यालय में मिनी स्टेडियम, कोठार-सौड़ सड़क निर्माण तथा गेंवली बुद्धकेदार व पिंडवाड़ में उप स्वास्थ्य केंद्र स्थापना प्रमुख रही।मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण की गई योजनाओं में पीएमजीएसवाई की धमातोली से घनसाली अखोड़ी मोटर मार्ग वाया चांजी मोटर मार्ग अपग्रेडेशन, नागेश्वर सौड से गोना वाया सरकंडा मोटर मार्ग अपग्रेडेशन तथा विकासखंड भिलंगना के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज कोट विशन में भवन का पुन: निर्माण कार्य शामिल है।जबकि शिलान्यास की गई योजनाओं में विश्व बैंक द्वारा पोषित यू-प्रिपेयर योजना के अन्तर्गत घनसाली में हनुमान मन्दिर के समीप 50 मीटर इण्टरमीडियेट लेन स्टील गर्डर मोटर सेतु का निर्माण कार्य, विकास खण्ड भिलंगना के अन्तर्गत तहसील बालगंगा के अनावासीय भवन का निर्माण कार्य विकास खण्ड भिलंगना के अन्तर्गत तहसील बालगंगा के अवासीय भवन का निर्माण कार्य, विकासखण्ड भिलगना के गंगी में स्वास्थ्य उपकेन्द्र गंगी का निर्माण कार्य तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिलखी का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उच्चीकरण का निर्माण कार्य शामिल है।इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल, एसएसपी आयुष अग्रवाल, सीडीओ वरुणा अग्रवाल, राज्यमंत्री (उपाध्यक्ष) हस्तशिल्प व हथकरघा वीरेंद्र दत्त सेमवाल, ब्लॉक प्रमुख राजीव कंडारी, नगर पंचायत अध्यक्ष घनसाली आनंद बिष्ट, नगर पंचायत अध्यक्ष चमियाला गोविंद सिंह राणा, सीएमओ डॉ श्याम विजय, अनुसूचित आयोग सदस्य सुनीता देवी सहित बड़ी संख्या क्षेत्रीय जनता मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार...

सैनिक कल्याण मंत्री जोशी से मिले मध्य कमान के आर्मी कमाण्डर, सैन्यधाम का किया संयुक्त निरीक्षण

देहरादून(संवाददाता)। भारतीय सेना की मध्य कमान के आर्मी कमाण्डर लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने आज उत्तराखण्ड के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से उनके शासकीय आवास में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में पूर्व सैनिकों के कल्याण, सैन्य परंपराओं के संरक्षण तथा नागरिक-सैन्य समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान आर्मी कमाण्डर ने सैनिक कल्याण मंत्री को सूर्या कमाण्ड की पुस्तक ''द् वॉयेज ऑफ सूर्या कमाण्ड'' भेंट की। भेंट के उपरांत सैनिक कल्याण मंत्री और आर्मी कमाण्डर ने देहरादून स्थित भव्य सैन्यधाम का संयुक्त निरीक्षण भी किया। उन्होंने सैन्यधाम में स्थापित शहीदों की स्मृति को समर्पित संरचनाओं, दीर्घाओं तथा विकसित की जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया और इसे देशभक्ति एवं सैन्य गौरव का प्रतीक बताया। आर्मी कमाण्डर ने राज्य सरकार द्वारा सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के हित में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा सैन्यधाम के निर्माण एवं विकास को एक ऐतिहासिक पहल बताया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड "वीरों की भूमि" है और राज्य सरकार शहीद सैनिकों एवं उनके परिवारों के सम्मान और कल्याण के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। उन्होंने सैन्यधाम को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि यह स्थान देश के वीरों के त्याग और बलिदान की गाथा को सदैव जीवंत रखेगा। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि आर्मी कमाण्डर द्वारा दिये गये सुझावों पर सैनिक कल्याण विभाग द्वारा कार्यवाही की जाऐगी और उनके दौरे के बाद अवश्य ही सैन्यधाम निर्माण की प्रगति को मजबूती मिलेगी। इस दौरान उत्तराखण्ड सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल एमपीएस गिल, डिप्टी जीओसी बिग्रेडियर आरएस थापा, पूर्व जीओसी मेजर जनरल शम्मी सभरवाल सहित सैनिक कल्याण विभाग, सेना एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

चारधाम यात्रा में तैनात फोर्स की तैयारियों की समीक्षा

ऋषिकेश(संवाददाता)। जौलीग्रांट स्थित एसडीआरएफ मुख्यालय में गुरुवार को सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने राज्यभर की पोस्टों पर तैनात अधिकारी और कर्मचारियों से ऑनलाइन जुड़े। वर्चुअल संवाद में उन्होंने प्रत्येक पोस्ट की समस्याओं को जाना। सुझाव और जरूरतों को गंभीरता से सुना। समाधान के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। सम्मेलन में सेनानायक ने चारधाम यात्रा के तहत फोर्स की तैयारियों की समीक्षा भी की। यात्रा मार्गों पर संभावित प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटना और आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को और चुस्त कराने के निर्देश दिए। पर्वतीय क्षेत्रों में रेस्क्यू को तकनीकी रूप से सुदृढ़ कर संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के लिए भी कहा। सेनानायक ने आपदा में बचाव के लिए आधुनिक उपकरणों की खरीद पर चर्चा की। जवानों को अनुशासन, समर्पण और दक्षता के साथ कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए भी प्रेरित किया।

लक्सर रेलवे स्टेशन पर बम रखा होने की सूचना मिलने से हड़कंप मचा

रुड़की(संवाददाता)। पुलिस कंट्रोल रूम को लक्सर रेलवे स्टेशन पर बम रखा होने की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया। आनन-फानन जीआरपी और आरपीएफ ने बम निरोधक दस्ते के साथ प्लेटफार्म, सर्कुलेटिंग एरिया, प्रतीक्षालय, टिकटघर, यार्ड आदि स्थानों पर सघन चेकिंग शुरू कर दी। रुड़की सहित दूसरे रेलवे स्टेशनों पर भी पुलिसकर्मियों को अलर्ट कर दिया। घंटों की छानबीन के बाद सब कुछ सामान्य मिलने पर पुलिस ने राहत की सांस ली। इस दौरान फोन पर सूचना देने वाले को ट्रेस करने की कार्रवाई भी जारी रही। लोकेशन मिलने पर पुलिस टीम ने झूठी सूचना देने के आरोपी कुलबीर निवासी खानपुर को गिरफ्तार कर लिया। लक्सर जीआरपी थानाध्यक्ष रचना देवरानी ने बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह किसी व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम फोन कर बताया कि लक्सर रेलवे स्टेशन पर बम रखा गया है। कंट्रोल रूम से सूचना प्रसारित होते ही पुलिस हरकत में आ गई। एसपी रेलवेज अरुणा भारती के निर्देश पर तत्काल जीआरपी ने आरपीएफ और बीडीएस के साथ रेलवे स्टेशन, परिसर और ट्रेनों में सघन चेकिंग शुरू कर दी। इस दौरान निकट के रुड़की, डौसनी, लंढौरा, ऐथल, पथरी, रायसी जैसे स्टेशनों पर भी पुलिसकर्मियों को अलर्ट किया गया। घंटों चेकिंग के बाद कोई बम या विस्फोटक नहीं मिलने पर सभी ने राहत की सांस ली।इस बीच पुलिस फोनकर्ता के संबंध में भी जानकारी जुटाती रही। फोनकर्ता की पहचान होने के बाद थानाध्यक्ष रचना देवरानी ने टीम के साथ लोकेशन ट्रेस कर आरोपी कुलबीर निवासी खानपुर थाना खानपुर को हिरासत में लिया। जिस मोबाइल से फोन किया गया था उसे भी आरोपी से बरामद कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

नौगांव सीएचसी का विस्तारीकरण न होने से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को तरसे लोग

नई टिहरी(संवाददाता)। चारधाम यात्रा के प्रथम पड़ाव पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव का विस्तारीकरण न होने से क्षेत्रीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही है। आठ माह पहले मुख्यमंत्री की ओर से अस्पताल के विस्तारीकरण की घोषणा अब तक धरातल पर नहीं उतर पाई है। इससे पूर्व भी सीएचसी के विस्तारीकरण की कई बार घोषणाएं हो चुकी है। अगस्त में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव के विस्तारीकरण के लिए 43 करोड़ रुपये की घोषणा की गई थी इससे अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा उपकरण, सहित नए वार्ड बनाए जाने थे। स्थानीय भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री की घोषणा को क्षेत्र हित में तो बताया था लेकिन आठ माह बाद भी घोषणा के धरातल पर न उतरने से लोगों विपक्ष ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। जनपद के सबसे बड़े अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग, नेत्र, ईएनटी, फिजिशियन, बाल रोग विशेषज्ञों के पद रिक्त है, जिससे बीमार लोगों को ईलाज के लिए 150 किमी दूर देहरादून की दौड़ लगानी पड़ रही है। अस्पताल पर क्षेत्र के करीब 100 ग्राम पंचायतों की स्वास्थ्य की जिम्मेदारी है। 1958 में स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का 1987 में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उच्चीकरण हुआ था। उत्तराखंड बनने के बाद भी अस्पताल में न तो विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति हो पाई और न ही अस्पताल का उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकरण हो पाया। कांग्रेस अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश इंदवाण का कहना है कि सरकार चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित सीएचसी नौगांव की सुध नहीं ले रही है। जनता कब तक असुविधाओं का रोना रोयेगी। अस्पताल के विस्तारीकरण के लिए की गई 43 करोड़ घोषणा कागजों में सिमट कर रह गई है। वहीं मुख्यचिकित्साधिकारी डॉ बीएस रावत का कहना है कि यह मामला अभी शासन स्तर पर है जिसमें समय लगेगा।

रोजगार सृजन और ब्रांडिंग में सहकारिता की हैं अहम भूमिकाः उनियाल

नई टिहरी(संवाददाता)। बादशाहीथौल बंगाचली में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण और ईको टूरिज्म थीम पर आधारित सात दिवसीय सहकारिता मेला पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। संगठित प्रयासों से हम गांव-गांव में रोजगार के नए अवसर सृजित कर युवाओं को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। फसलों और स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और प्रभावी मार्केटिंग में सहकारिता की अहम भूमिका हो सकती है। यदि हम मिलकर काम करें तो सहकारिता के जरिए गांवों की समृद्धि और किसानों की आय में वृद्धि संभव है। जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चंद रमोला ने कहा कि बीते करीब 9 साल में प्रदेश के सहकारी बैंकों का एनपीए घटा है। शुद्ध लाभ में 10 गुना बढ़ोत्तरी हुई। समापन अवसर पर नरेंद्रनगर ब्लॉक के किसानों और महिला स्वयं सहायता समूहों को बिना ब्याज ऋण के चेक बांटे गए। वेस्ट से बेस्ट के तहत प्लास्टिक से सजावटी सामान व फूलों से हर्बल रंग बनाने वाले उद्यमी संजय बहुगुणा को सम्मानित किया गया। लोक गायक विवेक नौटियाल, शिवानी नेगी और मुकेश हटवाल ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सहायक निबंधक रविंद्र मंद्रवाल और डीसीबी के महाप्रंधक राहुल गैरोला ने बैंक की ऋण योजनाओं और स्वरोजगार को लेकर जानकारी दी। गायक विवेक नौटियाल, शवानी नेगी और मुकेश हटवाल ने उत्तराखंड मेरी मातृ भूमि, दगड्या नी रैंणू सदानी, दैण ह्वै जा मेरा बद्री केदार, हे नंदा सहित कई शानदार प्रस्तुति दी। इस मौके पर चंबा ब्लॉक प्रमुख सुमन सजवाण, दुग्ध संघ के अध्यक्ष सुशील रावत, विनोद रावत, घनश्याम नौटियाल, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद रतूड़ी, भगवती रतूड़ी, वीरेंद्र राणा, राकेश बधानी, सुनील सजवाण, पृथ्वी रावत, भूपेंद्र रावत, चिराग बिष्ट, गौरव शर्मा, वरूण रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

नारायणबगड़ महाविद्यालय में मिलेगी महिला छात्रावास की सुविधा

चमोली(संवाददाता)। विकासखंड के मींग में संचालित मगन लाल शाह राजकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को जल्द छात्रावास का लाभ मिल सकेगा। यहां महिला छात्रावास का निर्माण लगभग अंतिम चरण में है। इसके पूर्ण होने पर करीब 52 छात्राओं को लाभ मिलेगा। मींग कस्बे में वर्ष 2020 से महाविद्यालय का संचालन हो रहा है। मौजूदा समय में महाविद्यालय में हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र विषयों का अध्ययन किया जा रहा है। यहां श्रीगुरु, कड़ाकोट पट्टी सहित कई अन्य दूरस्थ गांवों से बच्चे उच्च शिक्षा के लिए पहुंचते हैं। वर्तमान में महाविद्यालय में 233 छात्र-छात्राएं हैं। मींग आबादी से दूर है और दूरस्थ गांवों से यहां युवाओं को पढ़ाई के लिए पहुंचने के लिए खासी दिक्कतें उठानी पड़ती हैं। छात्राओं को करीब तीन किमी से अधिक पैदल चलकर कॉलेज पहुंचना पड़ता है। युवाओं को नारायणबगड़, पंती और अन्य जगह एक से तीन किमी दूर किराये पर कमरा लेकर रहना पड़ता है।

शिशु नगरी मेला में दी नई शिक्षा नीति की जानकारी

नई टिहरी(संवाददाता)। नई शिक्षा नीति के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर में शिशु नगरी मेला और वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने कई स्टॉल लगाए। जबकि वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यकम, देशभक्ति गीत, नृत्य और नाट्य मंचन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित शिशु नगरी मेले और वार्षिकोत्सव का शुभारंभ विधायक किशोर उपाध्याय ने किया। मेले में विद्यार्थियों ने चित्र पुस्तकालय प्रदर्शनी, विज्ञान प्रयोगशाला, वस्तु संग्रहालय, चिडयाघर का जीवंत प्रदर्शन, आदर्श घर बगीचा, कला शाला, कीडांगन तरणताल, आध्यात्मिक यज्ञ मंडप का प्रदर्शन, स्टाल्स छात्रों के द्वारा लगाई गई। इसके बाद वार्षिकोत्सव में छात्रों ने गढ़वाली गीत, देशभक्ति नाटकों समेत पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत स्वागत गीत और विभिन्न नृत्य कार्यक्रमों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। मुख्य अतिथि विधायक उपाध्याय ने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कहा कि शिक्षा समाज की आधारशिला व जीवन का दर्पण है। उन्होंने छात्रों से लक्ष्य के अनुरूप अनुशासन एवं मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्य पूर्ण सिंह रावत ने विद्यालय की प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर पालिका अध्यक्ष शोभनी धनोला, शिशु शिक्षा समिति के जिला निरीक्षक राकेश बहुगुणा, विनोद सुयाल, सुनील बडोनी, विजेंद्र सिंह धनोला, मनोहर लाल रतूड़ी और ओम प्रकाश कोठारी आदि मौजूद थे।

ज्योतिर्मठ में आज होगी विशाल रैली, बाजार रहेगा बंद

चमोली(संवाददाता)। पैनखंडा समुदाय को ओबीसी का दर्जा मिलने के 10 साल बाद भी इसे केंद्रीय सूची में दर्ज नहीं किया गया है। इससे आक्रोशित लोग शुक्रवार को ज्योतिर्मठ नगर में विशाल रैली का आयोजन कर रहे हैं, साथ ही आधे दिन तक बाजार भी बंद रखा जाएगा। पैनखंडा समुदाय को 2016 में उत्तराखंड सरकार ने ओबीसी का दर्जा दिया। लेकिन अभी तक इसे केंद्रीय सूची में शामिल नहीं किया जा सका है। इसको लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। कई प्रयास के बाद भी यह मामला जस का तस बना हुआ है। पैनखंडा संघर्ष समिति के अध्यक्ष भरत सिंह कुंवर का कहना है कि इस रैली में पूरे विकासखंड के लोग शामिल हो रहे हैं। वहीं व्यापार मंडल अध्यक्ष नैन सिंह भंडारी ने बताया कि शुक्रवार को रैली के दौरान दोपहर एक बजे तक सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान बंद रखेंगे। टीएचडीसी की कार्यदायी संस्था एचसीसी (हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी) की ओर से हाल ही में 10 स्थानीय श्रमिकों को हटाया गया है। इस पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने आपत्ति दर्ज की। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं के सम्मुख रोजीरोटी का संकट हो गया है। परियोजना कार्य अभी जारी है मगर स्थानीय युवाओं को बाहर किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने परियोजना निर्माण के लिए अपने जल, जंगल, जमीन को कंपनी को दिया। मगर यहां बाहर के श्रमिकों को रोजगार दिया जा रहा है जबकि स्थानीय युवाओं को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है।

ब्रेक फेल होने पर कार टकराई, पुलिस और होमगार्ड कर्मी बाल-बाल बचे

चमोली(संवाददाता)। गैरसैंण की ओर से आती एक तेज रफ्तार कार का ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित कार पुलिस चौकी से टकरा गई। इस दौरान चौकी के बाहर खड़े पुलिस और होमगार्ड कर्मी बाल-बाल बच गए। बृहस्पतिवार को एक कार नैनीताल से गैरसैंण होते हुए कर्णप्रयाग की ओर आ रही थी। बेकाबू कार पहले तहसील के एक वाहन से टकराई फिर सोलर लाइट के खंभे को तोड़ने के बाद पुलिस चौकी से जा टकराई। कार में हिमाचल प्रदेश के पांच लोग बैठे हुए थे। घटना के दौरान चौकी के बाहर होमगार्ड व पुलिस कर्मी खड़े थे जो बाल-बाल बचे। चौकी प्रभारी लक्ष्मी प्रसाद बिजल्वाण ने बताया कि चालक सुरजीत सिंह ग्राम टपरै जिला हमीरपुर ने बताया कि वे पिपली नैनीताल में एक सगाई में गए थे। अचानक ब्रेक फेल होने से कार अनियंत्रित हो गई।

बदरीनाथ मास्टर प्लान : व्यावसायिक भवनों का आवंटन करें शुरू

चमोली(संवाददाता)। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर में बदरीनाथ मास्टर प्लान के कार्यों की समीक्षा बैठक की। डीएम ने एसडीएम ज्योतिर्मठ को मास्टर प्लान के तहत निर्मित व्यावसायिक भवनों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही बरती गई संबंधित कार्यदायी एजेंसी जिम्मेदार होगी। बृहस्पतिवार को आयोजित बैठक में डीएम ने संबंधित विभागों व निर्माण एजेंसियों से कार्यों की प्रगति लेकर विस्तृत जानकारी ली। डीएम ने कहा कि कार्यों की प्रभावी निगरानी रखें। बदरीनाथ में निर्माणाधीन कार्यों को पूरा करें। अस्पताल, झील सौंदर्यीकरण, व्यावसायिक भवन, पार्किंग, पुल निर्माण, ब्रह्मकपाल क्षेत्र के कार्य सहित अन्य सभी कार्यों में समय और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। कार्यों में तेजी लाने के लिए मैन पावर बढ़ाएं। डीएम ने कहा कि गुणवत्ता और समयबद्धता से किसी तरह का समझौता नहीं होगा। अगर कार्यों में लापरवाही मिली तो इसके लिए संबंधित कार्यदायी एजेंसी जिम्मेदार मानी जाएगी। बैठक में एसपी सुरजीत सिंह पंवार, सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़, एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ सहित पीआईयू के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसडीएम की तैनाती के लिए गैरसैंण में प्रदर्शन

चमोली(संवाददाता)। तहसील में एसडीएम की स्थायी तैनाती और नव निर्मित उपजिला चिकित्सालय में ओटी (ऑपरेशन थिएटर) के लिए बजट आवंटित कराने की मांग के लिए कांग्रेस और अन्य लोगों ने प्रदर्शन किया। साथ ही तहसील प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर बजट सत्र से पूर्व कार्रवाई नहीं होने पर आठ मार्च को दिवालीखाल में प्रदर्शन और चक्काजाम की चेतावनी दी। बृहस्पतिवार को नगर पंचायत अध्यक्ष मोहन भंडारी के नेतृत्व में साढ़े दस से दोपहर एक बजे तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ 60 से अधिक लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान नगर पंचायत कार्यालय से तहसील कार्यालय तक रैली निकाली गई और तहसील परिसर में ध रना दिया। नपं अध्यक्ष मोहन भंडारी व अन्य वक्ताओं ने कहा कि तहसील में स्थायी एसडीएम और अस्पताल में सुविधाओं की स्थापना नहीं हुई तो आठ मार्च को दिवालीखाल में प्रदर्शन कर चक्का जाम किया जाएगा। इस दौरान बजट सत्र में शामिल होने के लिए भराड़ीसैंण जाने वाले विधायक, मंत्री, व अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। ग्रीष्मकालीन राजधानी होने के बाद भी गैरसैंण की लगातार अनदेखी करने पर विधानसभा सत्र का भी बहिष्कार करेंगे।

जिला प्रशिक्षण योजना बैठक का आयोजन किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। हल्द्वानी में स्थित फूलदेई बैक्वेट हॉल में भारतीय जनता पार्टी, नैनीताल जिला द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत जिला

प्रशिक्षण योजना बैठक का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण अभियान के प्रदेश सह-संयोजक व मुख्यवक्ता प्रदीप बिष्ट, जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दीपा दर्मवाल द्वारा दीप प्रज्वलन व सामूहिक वन्देमातरम् गान के साथ बैठक का शुभारंभ किया। जिले के समस्त मंडलो से आए प्रतिभागियो को सम्बोधित करते हुए प्रदीप बिष्ट ने कहा की व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण व संगठन निर्माण से देश निर्माण ही प्रशिक्षण अभियान का असली ध्येय है। उन्होने कहा कि प्रशिक्षण के द्वारा ही कार्यकर्ता में वैचारिक प्रतिबद्धता व अनुशासन का बोध जागृत होता है उन्होने बताया कि जिले के सभी 25 मण्डलो में 07 मार्च से 10 अप्रैल के मध्य एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जानी है जिसमे प्रत्येक कार्यशाला में 07 विषय निर्धारित किये गये है व जिला प्रशिक्षण वक्ता इन मंडल कार्यशालाओं में प्रशिक्षक के तौर पर कार्यकर्ता के मध्य अपना विषय रखेगे।जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट ने सभी मण्डल प्रभारियो व मण्डल अध्यक्षो से मण्डल प्रशिक्षण टोली के माध्यम से प्रशिक्षण महाअभियान को तीव्र गति देने का आवाह्न किया उन्होने संगठन से प्राप्त दिशा निर्देशो का पूर्ण पालन करते हुए मण्डल प्रशिक्षण कार्यशालाओं को सुव्यवस्थित व प्रभावी बनाने पर जोर दिया। अभियान के जिला संयोजक व जिला महामंत्री श्री रंजन बर्गली ने योजना बैठक में आए सभी प्रतिभागियो का आभार व्यक्त करते हुए मंडल प्रशिक्षण कार्यशालाओं को पूर्ण मनोयोग के साथ सफल बनाने का आवाहन किया।बैठक में नैनीताल विधायक श्रीमती सरिता आर्या, प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी कौस्तुभानंद जोशी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रदीप जनौटी, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, श्रीमती गीता ठाकुर, दर्जा राज्य मंत्री सुरेश भट्ट, दिनेश आर्या, श्रीमती रेनु अधिकारी, नवीन वर्मा, जिला महामंत्री विनीत अग्रवाल, जिला सह-संयोजक दयाकिशन पोखरिया, श्रीमती प्रगति जैन, नितिन राणा, मण्डल अध्यक्ष सुरेश गौड़ सहित अनेको पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हवालबाग में क्षेत्र पंचायत की बैठक का बहिष्कार, अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी

अल्मोड़ा (संवाददाता)। हवालबाग विकासखंड में आयोजित क्षेत्र पंचायत की प्रथम बैठक जनप्रतिनिधियों के विरोध के चलते नहीं हो सकी। निर्धारित समय सुबह 11 बजे बैठक शुरू होनी थी, लेकिन दोपहर 12 बजे तक मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, एडीएम, उप जिलाधिकारी और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी बैठक में नहीं पहुंचे। इससे नाराज जनप्रतिनिधियों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। अधिकारियों की अनुपस्थिति से आक्रोशित जनप्रतिनिधियों ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि क्षेत्र पंचायत की बैठकें लंबे अंतराल के बाद आयोजित होती हैं, ऐसे में जिम्मेदार अधिकारियों का अनुपस्थित रहना विकास कार्यों को प्रभावित करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि 15 दिन के भीतर सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए पुनः बैठक आयोजित नहीं की गई तो ब्लॉक कार्यालय में तालाबंदी की जाएगी और पूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा। साथ ही ग्राम पंचायतों में विकास कार्य भी रोकने की बात कही गई। ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू ने सदन में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई और बैठक की कार्यवाही स्थगित करते हुए शीघ्र नई तिथि घोषित करने के निर्देश दिए। प्रधान संगठन के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि क्षेत्र पंचायत की बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों का अनुपस्थित रहना लोकतांत्रिक व्यवस्था और पंचायती राज प्रणाली के प्रति गंभीर लापरवाही है। वहीं संगठन के महामंत्री विनोद जोशी ने कहा कि बैठक में दूर-दराज से प्रधान अपनी समस्याएं लेकर आते हैं, लेकिन अधिकारियों के नहीं पहुंचने से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता, जिससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। बैठक के बहिष्कार में प्रधान संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुंदर मटियानी, उपाध्यक्ष चंद्रिका तिवारी, मंत्री प्रमोद चंद्र जोशी, मोहन सिंह, देवेंद्र मेहरा, जमन सिंह, ममता जोशी, पंकज रौतेला, प्रकाश चंद्र जोशी, प्रदीप पालनी, चंद्र प्रकाश, अनिल मोहन, नंदन सिंह, प्रवीण मेहता सहित कई प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

'राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का एक दिवसीय शिविरः स्वच्छता एवं पॉलीथिन उन्मूलन अभियान आयोजित'

रामनगर (संवाददाता)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत स्वच्छता अभियान एवं पॉलीथिन उन्मूलन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य प्रोफे एस एस मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने सभी से अपील की कि वे पॉलीथिन का उपयोग बंद कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें। स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया तथा लोगों

को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया.इसके साथ ही पॉलीथिन के दुष्प्रभावों के बारे में जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वयंसेवकों ने आमजन को कपड़े या जूट के थैलों के उपयोग हेतु प्रेरित किया तथा पॉलीथिन के प्रयोग से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।इस अवसर पर जिला समन्वयक प्रोफे जे. एस . नेगी, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुमन कुमार, कार्यक्रम अधिकारी डॉ ममता भदौला जोशी तथा विवेक जोशी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पर्वतीय सभा का 38 वां स्थापना दिवस मनाया गया

रामनगर (संवाददाता)। पर्वतीय सभा का 38 वां स्थापना समारो सभा प्रांगण में धूम धाम के साथ मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता बीना रावत व संचालन जेसी लोहनी के द्वारा किया गया। स्थापना समारोह में मुख्य अतिथि हेमचंद भट्ट, विशिष्ट अतिथि नंदन सिंह बसनाल, विनोद पपने रहे। स्थापना समारोह में क्रीड़ा विधा से अरविंद चौधरी, शिक्षा विधा से देवेंद्र सिंह नेगी, रंगकर्म विधा से कुमारी किरण कोतवाल, सामाजिक

कार्य विधा से शिव सिंह रावत, जनप्रतिनिधि विधा से पूर्व सभासद संजय रावत, सभासद कौशल्या शर्मा, खेल खिलाड़ी विधा से कनिष्क बिष्ट, पत्रकारिता विधा से गिरीश पांडे व खुशाल सिंह रावत, साहित्य विधा से योगेश्वर प्रसाद देवरानी, विधि कानून विधा से दीपक जोशी एडवोकेट, सैन्य सम्मान विधा से दिगंबर सिंह मनराल को समाज में उनकी उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रकाश कोटवाल व कुमारी किरण कोटवाल एवं आयुष एकेडमी संगीत विद्यालय पैंठपड़ाव रामनगर के बच्चों द्वारा संगीतमय रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

राजस्व गांव के दर्जे का प्रस्ताव न लाने पर रोष प्रकट करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। / इंडिया गठबंधन की पार्टियों कांग्रेस और भाकपा (माले) के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से भाजपा सरकार और लालकुआं विधायक द्वारा कल 25 फरवरी को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में बिन्दुखत्ता समेत तमाम वन भूमि पर बसे लोगों को राजस्व गांव के दर्जे का प्रस्ताव न लाने पर रोष प्रकट करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया गया और कार रोड चौराहा पर प्रदर्शन करते हुए भाजपा सरकार और लालकुआं विधायक का पुतला दहन किया गया. गौरतलब है कि लालकुंआ विधायक डा. मोहन बिष्ट ने जनता के बीच बकायदा वीडियो बयान जारी कर कहा था कि 25 फरवरी को राज्य कैबिनेट की बैठक में बिन्दुखत्ता राजस्व गांव का प्रस्ताव पारित किया जायेगा। विधायक ने जनता से 18 फरवरी को राजस्व गांव बनाने की मांग पर बिन्दुखत्ता संयुक्त संघर्ष समिति की रैली में लोगों से न जाने की अपील करते हुए कहा था कि जब 25 फरवरी को राज्य मैत्रिमंडल की बैठक में राजस्व गांव का प्रस्ताव पारित होने जा रहा है तब रैली की जरूरत क्या है? लेकिन कल 25 फरवरी की

राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में बिन्दुखत्ता समेत वन भूमि पर बसे लोगों को राजस्व गांव का दर्जा देने का प्रस्ताव पारित करना तो दूर रहा इसका जिक्र तक नहीं किया गया। अब लालकुआं विधायक कह रहे हैं कि कागज पूरे नहीं हैं, अगर आज भी कागज पूरे नहीं हैं तो सवाल यह है कि चार सालों से विधायक राजस्व गांव की बात बिना कागजों के कर रहे थे. विधायक इस तरह की बयानबाजी करने के बजाय अपनी नाकामियों को स्वीकार कर जनता से माफी मांगें. वक्ताओं ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा सरकार और लालकुंभा विधायक के 18 फरवरी की रैली को फ्लाप करने के इरादे से ऐसा किया। हम सरकार के इस रवैये की तीखी आलोचना करते हैं और विधायक से जनता से झूठ बोलने के लिए माफी मांगने की माँग करते हैं. साथ ही गैरसैण में होने 9 मार्च से होने जा रहे आगामी विधानसभा सत्र में बिंदुखत्ता समेत वन भूमि पर बसी आबादी को राजस्व गांव का दर्जा देने का विधिवत प्रस्ताव पारित कर, वन भूमि को राजस्व भूमि में हस्तांतरण का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजर राजस्व गांव की प्रक्रिया शुरू किए जाने की मांग करते हैं। यह चेतावनी दी गई अगर विधानसभा सत्र में प्रस्ताव पारित नहीं किया जाता तो विराट जनान्दोलन की ओर बढ़ा जायेगा. सर्वसम्मति से यह भी तय किया गया, यदि 30 अप्रैल 2026 से पूर्व राजस्व गांव बनाने की अधिसूचना जारी नहीं हुई तो हम 1 मई से नए जनआन्दोलन का आगाज करने को बाध्य होंगे।प्रदर्शन और पुतला दहन कार्यक्रम में भाकपा माले नैनीताल जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय, बिंदुखत्ता ब्लॉक काँग्रेस अध्यक्ष पुष्कर दानू, महिला काँग्रेस की मीना कपिल, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के कुन्दन मेहता, भाकपा माले बिंदुखत्ता सचिव पुष्कर दुबड़िया, प्रदेश सचिव काँग्रेस कमेटी गिरधर बम, राजेन्द्र खनवाल, हरीश बिसोती, काँग्रेस जिला उपाध्यक्ष प्रमोद कलोनी, माले नेता किशन बघरी, गुरदयाल मेहरा, प्रदीप बथीयाल, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के रमेश कुमार, धीरज कुमार, किसान महासभा के गोविंद जीना, काँग्रेस के भगवान धामी, किसान महासभा के चंदन राम, बिशन दत्त जोशी, निर्मला शाही, नरेंद्र सिंह बिष्ट, आनंद दानू, प्रवीण दानू, कुन्दन कोहली, मोती सिंह धामी, गोविंद बल्लभ भट्ट, गोपाल सिंह दानू समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की.

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री धामी ने किया नयार वैली फेस्टिवल का उद्घाटन

पौड़ी(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को जनपद पौड़ी गढ़वाल के बिलखेत में आयोजित नयार वैली फेस्टिवल का शुभारंभ किया। इस महोत्सव के शुभारंभ के साथ ही नयार घाटी की पर्यटन, संस्कृति एवं साहसिक गतिविधियों की अपार संभावनाओं को नई पहचान मिलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री ने नयार घाटी में पैराग्लाइडिंग प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करने, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विकासखंड पोखड़ा में रसलवाँण दीवा मंदिर स्थलीय कार्य, विकासखंड बीरोंखाल में कालिंका मंदिर स्थलीय कार्य, विकासखंड एकेश्वर में एकेश्वर महादेव मंदिर स्थलीय कार्य तथा विकासखंड पाबौ में चम्पेश्वर महादेव मंदिर से जुड़े विकास कार्यों की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की लाभार्थी करिश्मा और सलोनी को महालक्ष्मी किट प्रदान की, योगिता की गोदभराई की रस्म संपन्न कराई तथा समाज कल्याण विभाग के लाभार्थियों तुलसीदास एवं बीरेन्द्र को दिव्यांग उपकरण भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने महिला समूहों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनके अनुभव जाने और सरकार की योजनाओं का लाभ अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने साइक्लिस्टों तथा एंगलरों से भी संवाद कर उनके साहस और उत्साह की सराहना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पैराग्लाइडिंग, पैरामोटरिंग, हॉट एयर बैलून, माउंटेन बाइकिंग, कयाकिंग, एंगलिंग, जिपलाइन, बर्मा ब्रिज, रिवर्स बंजी सहित विभिन्न एडवेंचर गतिविधियों का फ्लैग ऑफ कर औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नयार वैली क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और साहसिक पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है तथा ऐसे आयोजनों से स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सभी को होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और कहा कि नयार घाटी सहित जनपद पौड़ी गढ़वाल का यह संपूर्ण क्षेत्र अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और साहसिक संभावनाओं के कारण अत्यंत अद्वितीय है। प्रकृति ने इस क्षेत्र को सौंदर्य और रोमांच का अनुपम संगम प्रदान किया है, जिससे यह साहसिक पर्यटन और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए आदर्श स्थल बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार सकारात्मक रूप से कार्य करेगी, ताकि स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में आगे बढ़ने और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भी है, जिससे प्रत्येक नागरिक विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार, अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करते हुए सड़क, बिजली, पेयजल, दूरसंचार, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार...

ई-चालान का लिंक भेजकर ठगे दो लाख

देहरादून(संवाददाता)। साइबर ठगों ने ई-चालान का झांसा देकर एक व्यक्ति से करीब दो लाख रुपये की ठगी कर ली। एसओ रायपुर गिरीश नेगी ने बताया कि सहस्रधारा रोड स्थित डांडा लखौंड निवासी संजय रावत ने तहरीर दी। बताया कि उनके व्हाट्सएप पर एम-परिवहन के नाम से एक मैसेज आया। इसमें उनके वाहन का चालान कटने की बात कही गई थी। चालान देखने के लिए जैसे ही उन्होंने दिए गए लिंक पर क्लिक किया, उनके केनरा बैंक खाते से कई किस्तों में कुल 1,96,106 रुपये की रकम कट गई। शिकायत के आधार पर रायपुर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं में अज्ञात ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

मुस्लिम समुदाय के लोगों को निशाना बनाने का आरोप

देहरादून(संवाददाता)। मुस्लिम सेवा संगठन और इमाम संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में डीआईजी धीरेंद्र गुंज्याल से मिला। उन्होंने नमाज और मस्जिदों के नाम पर मुस्लिम समाज के लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया और चिंता जताई। उन्होंने रुद्रपुर में नमाज पढ़ने पर शाहिद से मारपीट, जोशीमठ में दर्जनों मुस्लिमों पर कार्रवाई और डोईवाला के थानो गांव में मस्जिद के अंदर घुसने की खुली धमकी देने के मामले उठाए। उन्होंने कार्रवाई की मांग उठाई। चेताया कि यदि सख्त कदम नहीं उठाए गए तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान इमाम संगठन अध्यक्ष मुफ्ती रईस अहमद कासमी, मुस्लिम सेवा संगठन अध्यक्ष नईम कुरैशी, उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी, पूर्व पार्षद इलियास अंसारी, मीडिया प्रभारी रमीज राजा, दानिश कुरैशी और नवाज कुरैशी मौजूद रहे।

शेयर बाजार में मुनाफ के नाम ठगी के आरोपी को बी वारंट पर दून लाई पुलिस

देहरादून(संवाददाता)। स्टॉक मार्केट में बंपर रिटर्न का झांसा दे 1.17 करोड़ रुपये की ठगी के आरोपी को साइबर क्राइम थाना पुलिस गुरुवार को बी वारंट पर दून लेकर पहुंची। देहरादून लाकर आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि देहरादून निवासी एक पीड़ित ने अप्रैल 2025 में शिकायत दर्ज कराई थी। ठगों ने खुद को प्रतिष्ठित निवेश फर्म का वित्तीय सलाहकार बताकर पीड़ित से व्हाट्सएप पर संपर्क किया। विश्वास में लेने के लिए कई व्हाट्सएप ग्रुप्स में जोड़ा गया। इसके बाद पीड़ित से एक फर्जी ऐप डाउनलोड कराकर ट्रेडिंग डेशबोर्ड पर फर्जी मुनाफा दिखाया गया।

स्थानीय निकायों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने पर मंथन

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन तथा राज्य के छठे वित्त आयोग के अध्यक्ष एन रविशंकर एवं आयोग के सदस्यों द्वारा नगर निकायों (नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत) तथा जिला पंचायतों की वित्तीय आत्मनिर्भरता, प्रशासनिक सक्षमता तथा उन्हें अधिक सक्षम बनाकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में प्रभावी योगदानकर्ता के रूप में उन्नत किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में स्थानीय निकायोंख़नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत एवं जिला पंचायत द्वारा वर्तमान में फेस की जा रही चुनौतियों पर विचार करते हुए कहा गया कि वित्तीय आत्मनिर्भरता के अनेक अवसर उपलब्ध होने के बावजूद ये निकाय अपेक्षित स्तर तक आत्मनिर्भर नहीं हो पा रहे हैं। इसके पीछे प्रशासनिक एवं नीतिगत प्रवृत्तियों में आवश्यक बदलाव की जरूरत बताई। सीमित स्थानीय राजस्व स्रोत, पारंपरिक सुस्त कार्यशैली, प्रभावी एवं स्पष्ट बायलॉज का अभाव, प्रभावी भूमि प्रबंधन का अभाव तथा अत्यधिक राजनीतिक सेंट्रिक जैसे कारणों के चलते अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो पा रहे हैं। मुख्य सचिव ने राज्य वित्त आयोग से अपेक्षा की कि स्थानीय शहरी निकायों और जिला पंचायतों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने हेतु उनके स्वयं के संसाधनों, संभावनाओं और क्षमताओं में वृद्धि के लिए व्यावहारिक, समयोचित तथा क्रियान्वयन योग्य सुझाव प्रस्तुत किए जाएं। आयोग ने अवगत कराया कि शहरी निकायों के लिए भूमि प्रबंधन, राजस्व सृजन से संबंधित बायलॉज, कार्य संस्कृति में विशेषज्ञता, नवाचारों का अनुकूलन (एडॉप्टेशन) एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक सक्षम इंटरवेंशन की आवश्यकता है। साथ ही यह भी बताया गया कि वर्तमान में जिला योजना का आवंटन एलोकेशन आधारित है, जिसे आवश्यकता एवं परिणाम (नीड एवं आउटकम) आधारित बनाए जाने की जरूरत है। बैठक में आयोग के सदस्य पी. एस. जंगपांगी व एम. सी. जोशी, सचिव नितेश झा, दिलीप जावलकर एवं डॉ. आर. राजेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जागेश्वर धाम में सूखते गदेरे पर सिंचाई योजना की तैयारी से उठे सवाल

अल्मोड़ा(संवाददाता)। जागेश्वर धाम क्षेत्र में पवित्र जटागंगा के सहायक जनगड़ गदेरे पर प्रस्तावित सिंचाई योजना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी और हैरानी दोनों देखने को मिल रही है। जिस गदेरे में इस समय पानी नाममात्र का है, वहां सिंचाई विभाग द्वारा पाइपलाइन बिछाने की तैयारी किए जाने पर लोगों ने सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनगड़ गदेरे में वर्तमान में एक-दो इंच पानी भी नहीं है, इसके बावजूद विभाग चार इंच मोटी पाइपलाइन डालने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि जिस स्थान पर यह योजना प्रस्तावित है, उसके ठीक नीचे पहले से ही जल संस्थान की पेयजल योजना संचालित हो रही है, जिससे जागेश्वर धाम और आसपास के क्षेत्रों को पानी की आपूर्ति होती है। इसी गदेरे से कुमाऊं मंडल विकास निगम के पर्यटक आवास गृह तक भी पेयजल लाइन जुड़ी हुई है। लोगों का कहना है कि गर्मियों से पहले ही जटागंगा और उसका सहायक जनगड़ गदेरा सूखने की स्थिति में पहुंच जाता है। ऐसे में इसी स्रोत से सिंचाई योजना शुरू करना न केवल पेयजल व्यवस्था को प्रभावित करेगा, बल्कि धार्मिक महत्व की जटागंगा के अस्तित्व पर भी असर डाल सकता है। गुरुवार को जब ब्रह्मकुंड के ऊपर सड़क किनारे पाइप उतारे जा रहे थे, तभी स्थानीय लोगों को इस योजना की जानकारी मिली, जिसके बाद उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सूखते जलस्रोत पर सिंचाई योजना बनाना अव्यावहारिक है और इससे सरकारी धन की बर्बादी होगी। उन्होंने अधिकारियों से इस योजना को तत्काल रोकने और जटागंगा के सहायक गदेरे के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। इस संबंध में सिंचाई विभाग के जूनियर इंजीनियर तनुज वर्मा ने बताया कि उस गदेरे में पहले से पेयजल योजना संचालित होने की जानकारी हाल ही में उनके संज्ञान में आई है।

हवालबाग विकासखंड में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित

अल्मोड़ा(संवाददाता)। हवालबाग विकासखंड सभागार में गुरुवार को होली मिलन कार्यक्रम उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने पारंपरिक होली गीतों, नृत्य और वादन के साथ पर्व का आनंद लिया। ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पारंपरिक कुमाऊंनी और होली गीतों की प्रस्तुति से सभागार का वातावरण उत्सवमय बना रहा। प्रतिभागियों ने श्सिद्धि को दाता विघ्न विनाशकश, श्होली खेले गिरजापति नंदनश, श्जल कैसे भरूं जमुना गहरीश, श्जोगी आयो शहर में व्यापारीश जैसे गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। वहीं श्रंग बरसेश समेत अन्य लोकप्रिय होली गीतों पर भी लोग झूमते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गईं। ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू ने सभी को होली की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व आपसी सौहार्द और खुशियों का प्रतीक है और सभी के जीवन में ऐसे ही रंग भरे रहें।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम, अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी-पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था। दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है। उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या? अभिनेत्री ने आगे लिखा, प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके। अभिनेत्री सरगुन मेहता ने नोट शेयर कर लिखा, आपको ऐसी प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चल गया, जिसके बारे में मुझे और रवि को ही कोई जानकारी नहीं है? प्लीज ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करें। अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद कई यूजर्स और दोस्तों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने कमेंट बॉक्स में हाथ जोड़ते हुए प्रतिक्रिया दी, तो सरगुन के पति रवि दुबे ने लिखा, क्या कैप्शन है। सेलेब्स को अपनी निजी जिंदगी को लेकर बार-बार ऐसे झूठे दावों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले कई सेलेब्स इस तरह की झूठी अफवाहों का सामना कर चुके हैं। अभिनेत्री रीम शेख की भी शादी की खबरें उड़ी थीं। दरअसल, लाफ्टर ज्वाइन करने से पहले उनका नाम कंटेंट क्रिएटर कृष गुप्ता के साथ जुड़ा था।

फिल्म भूत बंगला के पहले गाने रामजी आके भला करेंगे का टीजर रिलीज, भूत, मस्ती और ओजी स्वैग संग अक्षय ने की वापसी

भूत बंगला 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जो 14 साल बाद बॉलीवुड के दो दिग्गजों अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी को वापस साथ ला रही है. बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म ने उन दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की कल्ट कॉमेडी फिल्में देखकर बड़े हुए है. इस चर्चा को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने फिल्म के पहले गाने रामजी आके भला करेंगे का टीजर रिलीज कर दिया है, जो उस पागलपन और कॉमेडी की एक झलक देता है जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार था. टीजर में अक्षय कुमार अपने पुराने और असली अंदाज में नजर आ रहे हैं, जो दर्शकों को याद दिलाता है कि आखिर क्यों वो बॉलीवुड के सबसे एंटरटेनिंग कलाकारों में से एक माने जाते हैं. यह पेप्पी और हाई-एनर्जी गाना अपनी वाइब्रेंट विजुअल्स, कैची बीट्स और अक्षय की सिग्नेचर कॉमिक टाइमिंग से भरपूर है. प्रीतम द्वारा कंपोज किए गए और कुमार के लिखे इस गाने को देव अरिजीत ने गाया है, साथ ही मेलो डी का लिखा और परफॉर्म किया गया रैप सेगमेंट इस गाने को ऐसा बना देता है जिसे आप स्किप नहीं कर पाएंगे. यह टीजर सिर्फ एक गाने की झलक भर नहीं है, बल्कि एक लेजेंड्री क्रिएटिव जोड़ी की वापसी का संकेत है. भूत बंगला के साथ, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन अपनी वही जानी-पहचानी कॉमिक पागलपन वापस लाने का वादा कर रहे हैं, जो दर्शकों को पुरानी यादों, हंसी और उस बड़े पर्दे के मनोरंजन से सराबोर कर देगी जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था. बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिवीजन) और केप ऑफ गुड फिल्म्स साथ मिलकर पेश कर रहे हैं भूत बंगला, जिसमें अक्षय कुमार, वामीका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आएंगे. प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

द पैराडाइज का गाना आया शेर रिलीज, अनिरुद्ध की दमदार धुन ने नानी के मास अवतार को और भी बेहतर बना दिया

द पैराडाइज के मेकर्स ने फैंस के लिए एक बड़ा तोहफा दिया है, जिसका बहुत इंतजार था, आया शेर गाना पूरी तरह रिलीज हो गया है, और यह तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया है। इस हाई-एनर्जी ट्रैक में नानी को बिल्कुल नए, रफ एंड टफ अवतार में दिखाया गया है, जो फिल्म के 1960 के दशक के गैंगस्टर बैकग्राउंड से पूरी तरह मेल खाता है। पहली बीट से ही, यह गाना एक जबरदस्त मास मूड बनाता है और किरदार जदल को एक मजबूत ऊंचाई देता है। कैची हुक लाइन और रॉ लिरिक्स सीटी बजाने लायक वाइब को और बढ़ाते हैं, जिससे यह साफ हो जाता है कि यह गाना बड़े पर्दे और उन फैंस के लिए बनाया गया है जो बड़े-से-बड़े पलों का आनंद लेते हैं। अनिरुद्ध रविचंदर का बनाया यह गाना अपबीट बीट्स से भरा है और इसमें एक जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर भी है जो मूड सेट करता है। गाने में नानी के पावर-पैक्ड डांस मूव्स, किलर बॉडी एक्सप्रेशन और मास मेकओवर आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। गाने में सुंदर की मास कोरियोग्राफी भी है, जिसमें कुछ बदलते पैटर्न और पावर-पैक्ड मूव्स हैं जो कैरेक्टर के उदय और बिल्ड-अप को दिखाते हैं। यह गाना मजबूत लीड के लिए एक कैरेक्टर इंट्रोडक्शन का काम करता है और न केवल एक कैच वाला गाना लगता है। मेकर्स ने इस गाने को रामोजी फिल्म सिटी में सैकड़ों डांसर्स और एक बड़े सेट के साथ बड़े लेवल पर बनाया, जो उस जमाने का माहौल बनाता है। हर फ्रेम फिल्म के स्केल और द पैराडाइज की दुनिया को डिजाइन करने में की गई मेहनत को दिखाता है। नानी की वॉरियर जैसी स्टाइलिंग और रॉ स्क्रीन प्रेजेंस उनके पहले के रोल्स से एक साफ बदलाव दिखाते हैं, जो उन्हें ज्यादा इंटेंस और मैसी जोन में दिखाते हैं। विजुअल्स, कॉस्ट्यूम्स और लाइटिंग मिलकर गाने को फैंस के लिए एक असली फेस्टिवल जैसा फील देते हैं।श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में दशहरा की सफल जोड़ी फिर से साथ आ रही है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इस प्रोजेक्ट में मोहन बाबू भी एक अहम रोल में हैं।

अभिनेत्री सम्युक्ता का सबसे दमदार रूप: स्वयंभू के टीजर में वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीजर में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नजर हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नजर आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ-टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों। टीजर में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष-बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई ख्र हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है। सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है ख्र ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज। इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा से लेकर रोजगार तक के लिए संकल्पबद्ध है सरकार : मुख्यमंत्री

-नंदा गौरा योजना के तहत 33 हजार से अधिक बेटियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से पहुंची राशि
-एक क्लिक के जरिए 1 अरब 45 करोड़ 93 लाख रुपए की धनराशि का हुआ हस्तांतरण

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रदेश सरकार बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा, सुरक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को नंदा गौरा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश की 33,251 बालिकाओं के खाते में डीबीटी के माध्यम से 1,45,93.00 (एक अरब पैंतालीस करोड़ तिरान्नबे लाख रुपए) की धनराशि हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जन्म के समय बेटा- बेटी के बीच होने वाले भेदभाव को समाप्त करते हुए, कन्या जन्म को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश सरकार नंदा गौरा योजना संचालित कर रही है। इसके तहत राज्य सरकार द्वारा बालिका के जन्म पर 11 हजार रुपए और बेटी के 12वीं पास करने पर उच्च शिक्षा के लिए 51 हजार रुपए की धनराशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अब तक 3,77,784 (तीन लाख सत्तर हजार सात सौ चौरासी) बालिकाओं को कुल 11,68,49.00 रुपए (ग्यारह अरब अडसठ करोड़ उनपचास लाख) की धनराशि जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन दे रही है, साथ ही शिक्षित होने के बाद रोजगार के लिए भी बेटियों को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिसके बाद अब सरकारी सेवाओं में उत्तराखंड की महिलाओं की स्थिति मजबूत हुई है, इससे सरकारी कार्यालयों की कार्य संस्कृति ज्यादा बेहतर हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लखपति दीदी योजना के जरिए भी प्रदेश की आम महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नंदा गौरा योजना कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने, संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन देने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए, समाज में लैंगिक असमानता को दूर करने के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रही है। इस मौके पर विभागीय मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने कहा कि, इस वर्ष लाभांवित होने वाली बालिकाओं में 5913, नवजात हैं, जबकि शेष 27338 को 12वीं पास करने पर यह धनराशि मिली है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर सचिव चंद्रेश कुमार, विभागीय निदेशक बंशीलाल राणा सहित अन्य अधिकारी कम्रचारी उपस्थित हुए।

श्री बद्रीनाथ कॉरिडोर विकास कार्यों में पारिस्थितिकी संतुलन हेतु वैज्ञानिक अध्ययन को मिला महत्व

देहरादून(संवाददाता)। भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा बद्रीनाथ कॉरिडोर डेवलपमेंट वर्क के अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों के दौरान आसपास की पारिस्थितिकी एवं इकोसिस्टम के संतुलन को बनाए रखने के संबंध में मुख्य सचिव आनंद बर्धन के समक्ष इसके वैज्ञानिक स्टडी का प्रस्तुतीकरण दिया गया।आईआईआरएस के वैज्ञानिकों द्वारा बद्रीनाथ क्षेत्र में विगत जनवरी माह में पारिस्थितिकी इकोसिस्टम पर आधारित वैज्ञानिक अध्ययन किया गया था। इसी अध्ययन के निष्कर्षों को आज मुख्य सचिव आनंद बर्धन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। यह सर्वेक्षण थर्मल रिमोट सेंसिंग तकनीक एवं जियो-फिजिकल सर्वेक्षण पर आधारित था, जिसके माध्यम से क्षेत्र की संवेदनशीलता, तापीय परिवर्तन तथा भू-भौतिकीय स्थितियों का विश्लेषण किया गया। मुख्य सचिव ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान समय में इस प्रकार के वैज्ञानिक अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां-जहां इस प्रकार के वैज्ञानिक अध्ययनों की आवश्यकता होगी, वहां उनका उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सर्वेक्षण के निष्कर्षों को आवश्यकता अनुसार सत्यापित कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में सचिव डी. एस. गब्रियाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय परिसर में खंडहर भवन ध्वस्त करने की मांग

देहरादून(संवाददाता)। वाणी विहार स्थित वरिष्ठ नागरिक जन सेवा समिति ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय वाणी विहार अधोईवाला के खंडहर भवन को पूरी तरह ध्वस्त करने की मांग की है। समिति ने इस सम्बंध में डीएम को पत्र भेजकर कहा है कि इस परिसर में अस्थाई भवन बनाकर मंगला देवी जूनियर हाईस्कूल के नाम से विद्यालय स्थापित किया गया था। जिसमें कक्षा छह से आठ तक की कक्षाएं संचालित होती थी। यह भवन अब गिरासू श्रेणी का हो चुका है। कोविड काल से इसमें कक्षाएं भी संचालित नहीं हो रही। प्राथमिक पाठशाला के अध्ययरनरत छोटे छोटे बच्चे इस खतरनाक भवन के इर्दगिर्द खेलते हैं।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को जीसीपी और मेडिकल एथिक्स जरूरी

ऋषिकेश(संवाददाता)। हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (हिम्स) जौलीग्रांट के क्लिनिकल रिसर्च विभाग द्वारा गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस (जीसीपी) और मेडिकल एथिक्स विषय पर आयोजित पांच सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को संपन्न हो गया। इस दौरान 30 प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। बीसी रॉय सभागार में आयोजित समापन कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और गुरु वंदना के साथ हुई। मुख्य अतिथि डीन हिम्स डॉ. अहमदुल्ला शरीफ ने कहा कि अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस, मेडिकल एथिक्स, सही शोध पद्धति और नियमों का पालन बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि जीसीपी के नियमों का पालन करने से मरीजों की सुरक्षा बनी रहती है और शोध के परिणाम विश्वसनीय होते हैं। महानिदेशक (शैक्षणिक विकास) डॉ. विजेन्दर चौहान ने कहा स्वामी राम हिमालयन विवि एक स्वास्थ्य केंद्रित विवि है और वैज्ञानिक व नैतिक मानकों के अनुरूप शोध को बढ़ावा देना उसकी जिम्मेदारी है। क्लिनिकल रिसर्च विभागाध्यक्ष डॉ. निक्कू यादव ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य शोध की गुणवत्ता को बेहतर बनाना और प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान देना था। पांच सप्ताह के इस प्रशिक्षण में कुल 137 घंटे की पढ़ाई और प्रायोगिक सत्र शामिल थे। इसमें गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस, चिकित्सा नैतिकता, नियामक ढांचा, शोध पद्धति और उन्नत सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर के उपयोग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में अकादमिक और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन किया।

संक्षिप्त समाचार...

युवती को मच्छी बाजार जैसा खौफनाक हाल करने की धमकी

देहरादून(संवाददाता)। युवती को मच्छी बाजार जैसी दिल दहला देने वाली वारदात दोहराने की धमकी का देने के मामले में शहर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी, उसकी बहन और दोस्त के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने एसएसपी कार्यालय में तहरीर दी। कहा कि आरोपी हरजीत सिंह के साथ न्यायालय में उनका एक पुराना केस चल रहा है। आरोप है कि बीते दिनों जब महिला कचहरी में अपने काम पर थी, तब हरजीत ने उसे देखकर अश्लील इशारे किए। इसका विरोध किया तो आरोपी ने सरेआम धमकी देते हुए कहा कि तेरा भी हाल मच्छी बाजार वाली लड़की की तरह करूंगा। आरोप है कि इस दौरान हरजीत की बहन भी मौजूद थी। जिस पर पूर्व में भी पीड़िता पर हमला करने का आरोप है। हाल में आरोपी ने अपने दोस्त तरनप्रीत सिंह के साथ मिलकर शहीद स्मारक के पास दोबारा धमकी दी और बाद में फोन कर डराने का भी प्रयास किया। मच्छी बाजार कांड जैसी किसी अनहोनी की आशंका से खौफजदा पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दी। शहर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि मुख्य आरोपी हरजीत समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

संयुक्त सचिव ने किया बीरपुर केवी और नवोदय विद्यालय का निरीक्षण

देहरादून(संवाददाता)। भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के संयुक्त सचिव महेंद्र कुमार ने गुरुवार को देहरादून के दो प्रमुख पीएम श्री स्कूलों केन्द्रीय विद्यालय बीरपुर और राजीव गांधी नवोदय विद्यालय ननूरखेड़ा का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे संयुक्त सचिव ने पीएम श्री योजना के तहत हो रहे आधुनिक सुधारों, शैक्षणिक गुणवत्ता और बुनियादी सुविधाओं का मूल्यांकन किया। पीएमश्री राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यालय में उपलब्ध स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक प्रयोगशालाओं की उपयोगिता को प्रभावी ढंग से दर्शाया। प्राचार्य डॉ. सुनीता भट्ट और पीएम प्रभारी डॉ. जयेन्द्र कठैत ने विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। संयुक्त सचिव ने विद्यालय के अनुशासन और नवाचार आधारित शिक्षण प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। वहीं, केन्द्रीय विद्यालय बीरपुर पहुंचने पर एनसीसी कैडेट्स ने ग्गार्ड ऑफ ऑनरश देकर और बैंड दल ने ओजस्वी धुनों के साथ अतिथियों का भव्य स्वागत किया। इस दौरान महेंद्र कुमार ने श्पीएम श्री नवाचार और कौशल प्रयोगशालाश का उद्घाटन किया। उन्होंने विद्यालय के गणित एवं विज्ञान पार्क का भी अवलोकन किया, जहाँ छात्रों ने प्रयोगों के जरिए कठिन सिद्धांतों को समझाया। प्राचार्य बसंती खंपा ने अतिथियों का श्हरित स्वागतश किया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत कठपुतली शो और देशभक्ति कविताओं की अधिकारियों ने खूब सराहना की। इस मौके पर मुख्य शिक्षा अधिकारी विनोद ढौंडियाल, केविसं की उपायुक्त डॉ. सुकृति रैवानी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती, एसडीएम हरगिरि गोस्वामी, सहायक आयुक्त सुरजीत सिंह, उपप्राचार्य अलका तड़ियाल और डॉ. लक्ष्मण चौहान मौजूद रहे।

अधिकारियों की सुरक्षा के बहाने जन आंदोलनों को दबाने की साजिश

देहरादून(संवाददाता)। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए जारी नई एसओपी पर विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने तीखा हमला बोला है। गुरुवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) समेत विभिन्न संगठनों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर इस पर गंभीर आपत्तियां जताई। विपक्षी संगठनों का कहना है कि सरकार कर्मचारियों की सुरक्षा के नाम पर लोकतांत्रिक आवाजों और जन आंदोलनों को कुचलने की तैयारी कर रही है। माकपा सचिव अनंत आकाश ने कहा कि प्रदेश में अधिकारियों पर हमले की जितनी भी घटनाएं हुई हैं, उनमें अधिकांशत: सत्ताधारी भाजपा के मंत्री, विधायक या प्रभावशाली नेता शामिल रहे हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि सरकार पहले अपने श्मानवीयोंश को नियंत्रित करने के बजाय जनता पर शिकंजा कस रही है। अक्सर देखा गया है कि सत्ता के दबाव में पीड़ित अधिकारियों पर ही फर्जी केस दर्ज कर मामलों में लीपापोती कर दी जाती है। ज्ञापन देने वालों में संयुक्त परिषद के संरक्षक नवनीत गुसांई, यूकेडी नेत्री प्रमिला रावत, बालेश बबानिया, बृजेन्द्र रावत, लेखराज, सुरेश कुमार, चिंतन सकलानी, अभिषेक भंडारी और हिमांशु चौहान मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। **सम्पादक – राजेश पंत**
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताजातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com